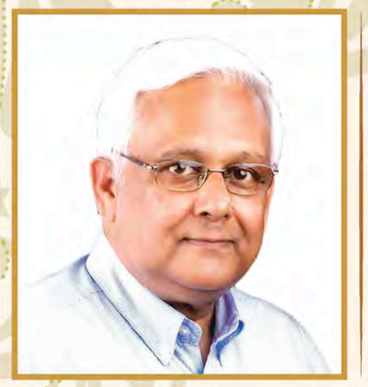

प्रो. दीपंकर चाट्टर्जी

Prof. Dipankar Chatterji



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो. दीपंकर चाट्टर्जी

प्रो. दीपंकर चाट्टर्जी भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू के मॉलिक्यूलर बायोफिजिक्स यूनिट के एक फैकल्टी और जवाहर लाल नेहरू एडवांस्ड वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, बेंगलुरू के मानद प्रोफेसर हैं। आप कुछ समय पूर्व इन दोनों ही संस्थानों के विभागाध्यक्ष थे। आप 2013–2015 की अवधि के दौरान भारतीय विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष भी रहे हैं।

2. आपका जन्म अप्रैल 20,1951 को हुआ। आपने कलकत्ता में अध्ययन किया और बैचलर तथा मास्टर्स की डिग्री 1973 में जादवपुर विश्वविद्यालय से प्राप्त कीं और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर से 1977 में मॉलिक्यूलर बायलॉजी में पीएच.डी. की डिग्री हासिल की पी.एच.डी की डिग्री हासिल करने के तुरन्त बाद आपने एक वर्ष बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में व्यतीत किया तथा उसके पश्चात् आपकी नियुक्ति सहायक प्रोफेसर के रूप में हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में हुई। इसके पश्चात् 1980 के दौरान आप संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए जहां आपने न्यूयार्क में पोस्ट डॉक्टरल कार्य किया, जिसके अन्तर्गत आपने मुख्य रूप से बैक्टीरियल जीन ट्रांस्क्रिपशन का अध्ययन किया। 1983 के दौरान, आप भारत वापस आ गए तथा आपने सीएसआईआर–सैन्टर फॉर सैल्युलर एण्ड मॉलिक्यूलर बायलॉजी, हैदराबाद में वैज्ञानिक के तौर पर ज्वॉइन किया तथा 1998 तक वहां रहे। 1999 के दौरान आपको आई.आई.एस.सी. में प्रोफसरशिप का ऑफर मिला जहां आप अभी भी कार्य कर रहे हैं।

3. आपकी हैदराबाद और बंगलौर दोनों ही स्थानों की कार्यविधि के दौरान आपने एक स्कूल की स्थापना की जिसमें एन्टीबायोटिक्स के द्वारा जीन के इनहिबिशन मेकेनिज्म पर विशेष जोर देते हुए बैक्टिरियल ट्रांस्क्रिपशन विषय पर विस्तार से अध्ययन किया जा सकता है। आपने एन्जाइम आरएनए पॉलिमर्स की संरचना–कार्य प्रणाली के बीच संबंध तथा दबाब के अंतर्गत जीन रेगुलेशन के नियंत्रण के बारे में एक अहम डील पर जोर दिया। आपके द्वारा न्यूक्लिओटाईड आधारित सैकिण्ड मैसेन्जर्स पर दिए गए पथ प्रदर्शक अंशदान तथा आपके द्वारा किए गए अनुसंधान को विश्वभर में जाना जाता है।

4. मौलिक अनुसंधान और अध्यापन के अतिरिक्त आप विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम के प्रति गम्भीरता से समर्पित हैं तथा आप विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के "किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना" के.वी.पी.वाई. के साथ उसके प्रारम्भ होने के समय से ही जुड़े रहे थे। इसके पश्चात् आप 2011 तक 8 वर्षों के लिए इस कार्यक्रम के संयोजक भी रहे। इसी प्रकार आप विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग के इंस्पायर कार्यक्रम में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। आपने राज्यपालों के प्रथम बोर्ड के एक सदस्य के रूप में भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान–आईआईएसईआर के शिक्षण कार्यक्रम को प्रतिपादित करने में भी भाग लिया।

5. आपको अनेकों अन्य पुरस्कारों के साथ–साथ होमी भाभा फेलोशिप, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, रेनबेक्सी अनुसंधान पुरस्कार, यूजीसी–हरिओम आश्रम पुरस्कार, बेसिक अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान का विधार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप विश्व विज्ञान अकादमी (टी.डब्ल्यू.ए.एस.) के सदस्य हैं।

Prof. Dipankar Chatterji

Prof. Dipankar Chatterji is a faculty in the Molecular Biophysics Unit, Indian Institute of Science, Bangalore and Honorary Professor of Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research, Bangalore. He was the Chairman of the Department of both the places sometime back. Prof. Chatterji was also the President of the Indian Academy of Science during the period 2013-2015.

2. Born on April 20, 1951, Prof. Chatterji studied in Calcutta, obtaining both Bachelor and Master degrees from Jadavpur University in 1973 and obtained his Ph.D. in Molecular Biology from Indian Institute of Science, Bangalore in 1977. Immediately after receiving his Ph.D. he spent one year at Banaras Hindu University and then was appointed Assistant Professor in Hyderabad Central University. Later on, during 1980, he moved to United States of America and carried out postdoctoral work in New York, mainly studying the bacterial gene transcription. During 1983, he came back to India and joined CSIR-Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad as a Scientist and stayed there till 1998. During 1999 he was offered Professorship at I.I.Sc., where he is still continuing.

3. During his tenure both at Hyderabad and Bangalore, Prof. Chatterji established a School, where bacterial transcription can be studied in detail with special emphasis on inhibition mechanism of gene transcription by antibiotics. He emphasized a great deal on the structure-function relationship of the enzyme RNA polymerase and control of gene regulation under stress. His pioneering contribution on the nucleotide-based second messengers is known world-wide and initiated research across different parts of the globe.

4. In addition to fundamental research and teaching, Prof. Chatterji is deeply committed to science education programme and was involved with "Kishore Vaigyanik Protsahan Yojana"-KVPY programme of the Department of Science & Technology, Govt. of India from its inception. Later, he was convener of the programme for 8 years till 2011. Similarly, he is actively involved with the Dept. of Science & Technology-INSPIRE programme. As a member of the first Board of Governors, Prof. Chatterji participated in formulating the teaching programme of Indian Institutes of Science Education and Research-IISER.

5. Prof. Chatterji is recipient of Homi Bhabha Fellowship, Shanti Swarup Bhatnagar Prize, Ranbaxy Research Award, UGC-Hari Om Ashram Award, Alumni Award from Indian Institute of Science for Excellence in basic research, among many others. He has received several Visiting Professorships and currently a J.C. Bose Fellow. He is a member of the The World Academy of Sciences (TWAS).